

## उप-नैदानिक क्षय रोग

स्रोत: द हट्टि

### चर्चा में क्यों?

भारत में उप-नैदानिक (Subclinical) [ट्यूबरकुलोसिस](#) चर्चा का विषय है। इसकी पहचान एवं उपचार में प्रगतिके बावजूद इस प्रकार की टीबी की घटनाओं की दर में गिरावट धीमी बनी हुई है।

### उप-नैदानिक क्षय रोग क्या है?

- परिभाषा: इस प्रकार के टीबी संक्रमण में व्यक्तिके शरीर में रोग के बहिष्कृत लक्षण (जैसे कलिगातार खाँसी आना) प्रदर्शित नहीं होते हैं।
  - इससे सक्रिय टीबी की तुलना में इसका पता लगाना मुश्किल होता है।
- पहचान: इसकी पहचान अक्सर छाती के एक्स-रे या आणविक परीक्षणों जैसी इमेजिंग तकनीकों के माध्यम से होती है, क्योंकि नियमित लक्षण-आधारित परीक्षण के माध्यम से इसके बारे में पता नहीं चल पाता है।
- व्यापकता: राष्ट्रीय टीबी व्यापकता सर्वेक्षण (2019-2021) के अनुसार कुल मामलों में उप-नैदानिक टीबी की हसिसेदारी 42.6% थी।
  - लक्षणवहीन उप-नैदानिक टीबी वाले व्यक्तिके बैक्टीरिया संक्रमण को दूसरों में फैला सकते हैं।
  - भारत सहित टीबी की व्यापकता वाले अन्य देशों में उप-नैदानिक टीबी संक्रमण व्यापक स्तर पर मलिता है। इसका पता न चल पाने से इस बीमारी का संक्रमण जारी रहता है।
  - व्यतिनाम जैसे देशों ने लक्षणों से इतर एक्स-रे एवं आणविक परीक्षणों का उपयोग करके पूरी आबादी की जाँच करके टीबी के प्रसार को सफलतापूर्वक कम किया है।
- भारत में इसी तरह की व्यापक परीक्षण प्रणाली हेतु मोबाइल इकाइयों एवं सामुदायिक भागीदारी सहित रणनीतिक बदलावों की आवश्यकता होगी।
- प्रभाव: इस प्रकार की टीबी से टीबी की घटनाओं में गिरावट की दर धीमी रह सकती है, क्योंकि इसका पता लगाना मुश्किल होने के कारण समय पर इसका इलाज नहीं हो पाता है।

### क्षय रोग:

- परिचय: यह माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होने वाला एक संक्रामक रोग है, जिससे मुख्य रूप से फेफड़े प्रभावित होते हैं। संक्रमित लोगों के खाँसने, छींकने या थूकने से यह रोग वायु के माध्यम से फैलता है।
- लक्षण: लंबे समय तक खाँसी, सीने में दर्द, कमजोरी, थकान, वजन कम होना, बुखार और रात में पसीना आना।
  - मधुमेह, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली एवं कुपोषण के साथ तंबाकू के सेवन से टीबी रोग के जोखिम में वृद्धि हो सकती है।
- रोकथाम: चिकित्सा सहायता लेना, संक्रमण की संभावना पर जाँच कराना, अतशीघ्र उपचार कराना। बेसलि कैलमेट-गुएरनि (BCG) वैक्सीन फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों में होने वाली टीबी को रोकने में सहायक (लेकिन फेफड़ों में नहीं) है।
- व्यापकता और उपचार: वैश्विक आबादी में लगभग 25% टीबी बैक्टीरिया से संक्रमित है। इनमें से 5-10% संक्रमण, सक्रिय टीबी में बदल जाते हैं।
  - टीबी का उपचार एंटीबायोटिक दवाओं से किया जा सकता है, जिनमें आमतौर पर आइसोनियाज़िडि, रफैम्पसिनि, पाइराज़िनामाइड, एथमब्यूटोल और स्ट्रेप्टोमाइसिनि शामिल हैं।
  - मल्टीड्रग-रेजिस्टेंट टीबी (MDR-TB) का कारण पहली पंक्तिकी दवाओं के प्रति बैक्टीरिया का प्रतिरोधी हो जाना है, इसका इलाज दूसरी पंक्तिकी दवाओं से किया जा सकता है।
    - MDR-TB एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। वर्ष 2022 के अनुसार इससे प्रभावित कुल 5 में से केवल 2 लोगों को ही उपचार मलि पाया।
- टीबी और एचआईवी: एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस) से पीड़ित लोगों में टीबी होने की संभावना 16 गुना अधिक होती है। एचआईवी से पीड़ित लोगों में टीबी मृत्यु का प्रमुख कारण है।
  - उचित उपचार के बिना टीबी से पीड़ित एचआईवी-नेगेटिव 60% लोग और टीबी से पीड़ित लगभग सभी एचआईवी-पॉजिटिव लोगों की

## मृत्यु होना नश्चिन्ता है।

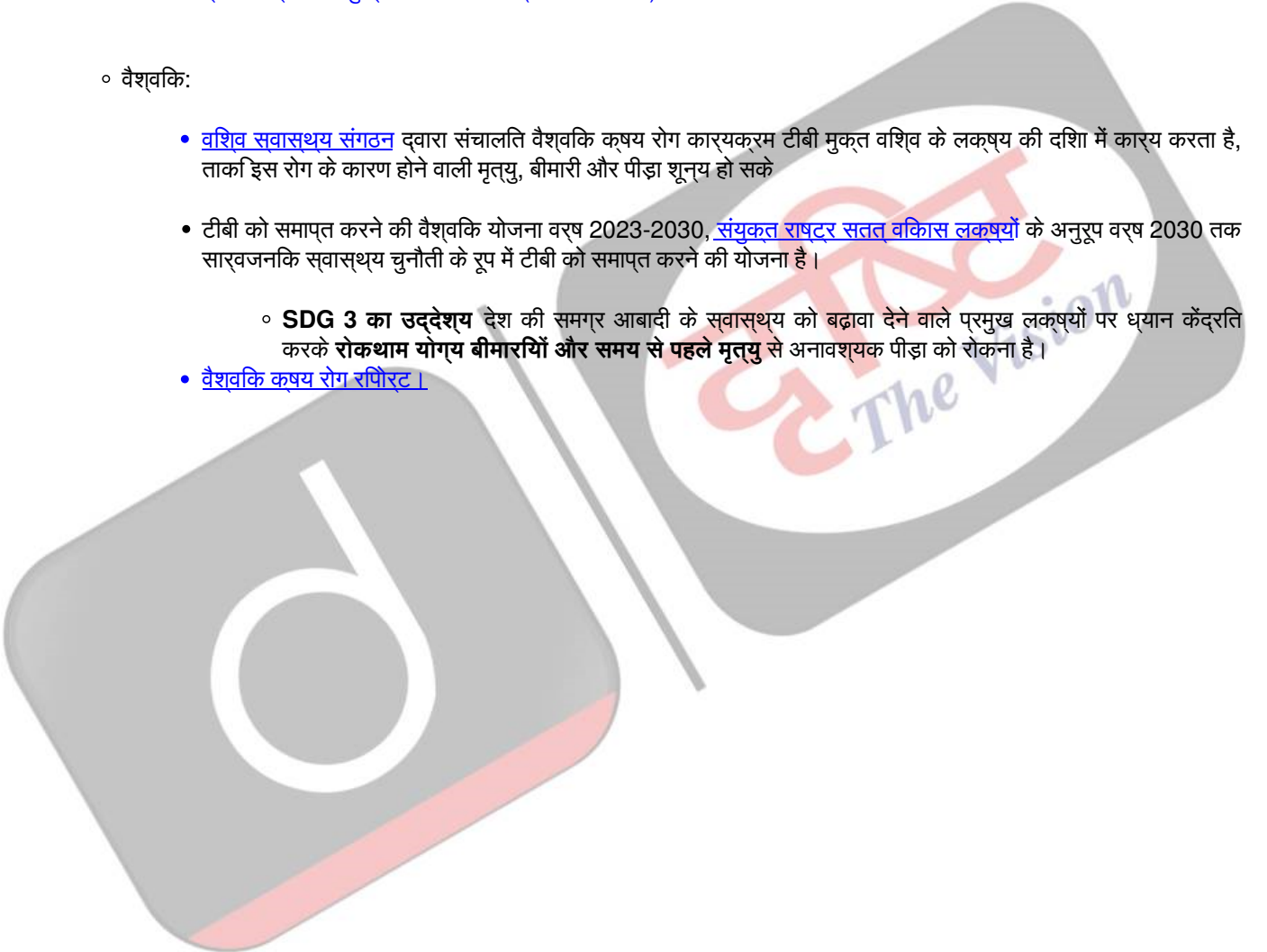
- **प्रभाव:** टीबी नमिन और मध्यम आय वाले देशों में वयस्कों को असमान रूप से प्रभावित करता है, इन क्षेत्रों में **80% से अधिक मामलों में मृत्यु होती है।** **वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के अनुसार सबसे अधिक संख्या दक्षिण-पूर्व एशियाई और अफ्रीकी क्षेत्रों में है।
  - वर्ष 2022 में टीबी से कुल 1.3 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई (जिसमें एचआईवी से पीड़ित 1,67, 000 लोग शामिल हैं)। वशिव भर में कोविड-19 के बाद टीबी दूसरा सबसे बड़ा संक्रामक रोग है।
- **टीबी से संबंधित पहलें:**
  - **भारत:**
    - [वर्ष 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लिये राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम \(NTEP\)।](#)

### • [नक्षय मतिर पहल।](#)

- टीबी रोगियों को [प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण \(DBT\)](#) प्रदान करना।
- **टीबी-मुक्त पंचायत पहल:** टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, स्टिगमा को समाप्त करने और सेवा में सुधार लाने हेतु 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को लाभान्वित करने के लिये प्रारंभ की गई।
- [प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान \(PMTBMBA\)](#)

### ◦ वैश्विक:

- [वशिव स्वास्थ्य संगठन](#) द्वारा संचालित वैश्विक क्षय रोग कार्यक्रम टीबी मुक्त वशिव के लक्ष्य की दशा में कार्य करता है, ताकि इस रोग के कारण होने वाली मृत्यु, बीमारी और पीड़ा शून्य हो सके
- टीबी को समाप्त करने की वैश्विक योजना वर्ष 2023-2030, [संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों](#) के अनुरूप वर्ष 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में टीबी को समाप्त करने की योजना है।
  - **SDG 3 का उद्देश्य** देश की समग्र आबादी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले प्रमुख लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करके **रोकथाम योग्य बीमारियों और समय से पहले मृत्यु** से अनावश्यक पीड़ा को रोकना है।
- [वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट।](#)





## टीबी (ट्यूबरकुलोसिस)

- टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होता है।
- टीबी मनुष्यों में सर्वाधिक फेफड़ों (पल्मोनरी टीबी) को प्रभावित करता है, लेकिन यह अन्य अंगों (एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी) को भी प्रभावित कर सकता है।
- टीबी संक्रमण वायु के माध्यम से होता है।
- कुपोषण, एड्स, मधुमेह, शराब और धूम्रपान ऐसे कारक हैं जो टीबी से पीड़ित व्यक्ति को प्रभावित करते हैं।
- टीबी के सामान्य लक्षण बलगम और खून के साथ खाँसी, सीने में दर्द, कमजोरी, वजन कम होना, बुखार और रात को पसीना आना हैं।
- टीबी एक इलाज योग्य बीमारी है। इसका इलाज रोगी को सूचना, पर्यवेक्षण और सहायता देने के साथ ही 4 रोगाणुरोधी दवाओं को मानक 6 महीने की समयावधि तक सेवन कराकर किया जाता है।



### UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिन्लखिति में से कौन-सा रोग टैटू गुदवाने से एक व्यक्तिसे दूसरे व्यक्तिमें फैल सकता है? (2013)

1. चकिनगुनयिा
2. हेपेटाइटिस बी
3. HIV-एड्स

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/subclinical-tuberculosis>

